

VII. समष्टि आर्थिक संभावना

भारतीय अर्थव्यवस्था की समष्टि आर्थिक संभावना, विभिन्न अप्रदर्शी सर्वेक्षणों द्वारा सुझाए अनुसार, गतिविधियों में और वृद्धि के साथ विश्वास में सामान्य सुधार दर्शाती है। रिजर्व बैंक द्वारा किया गया औद्योगिक संभावना सर्वेक्षण पिछले सर्वेक्षण में देखी गई प्रवृत्ति की निरंतरता में विनिर्माण क्षेत्र में भावनाओं में सुधार दर्शाता है। रिजर्व बैंक का व्यावसायिक पूर्वानुमानकर्ता सर्वेक्षण 2009-10 की वृद्धि संभावना में पूर्ववर्ती सर्वेक्षण के 6.9 प्रतिशत से हाल के राउंड में 6.9 की वृद्धि दर्शाता है। वृद्धि और मुद्रास्फीति की संभावना वर्तमान में वृद्धि के लिए उभरती ऊर्ध्वमुखी संभावना और मुद्रास्फीति के लिए ऊर्ध्वमुखी जोखिम से प्रभावित है। मजबूत वृद्धि संभावना चालू उच्च खाद्य मूल्य की मुद्रास्फीति की संभावना बढ़ा सकती है जिससे सामान्यकृत मूल्य दबाव बन सकते हैं जिनका पहला चिह्न दिसंबर 2009 में दिखा था।

VII.1 2009-10 की दूसरी तिमाही के जीडीपी आंकड़ों के निर्गम के समय से, वृद्धि की संभावना संबंधी आकलन में सुधार हुआ है। विभिन्न एजेंसियों के हाल के वृद्धि अनुमान 2009-10 के लिए भारत की वृद्धि संभावना में ऊर्ध्वमुखी संशोधन दर्शाते हैं। पिछली तिमाही के व्यवसाय विश्वास सर्वेक्षण में देखा गया आशावाद निरंतर करते हुए, तेजड़िया भावना अधिक मजबूत हुई है। रिजर्व बैंक का औद्योगिक संभावना सर्वेक्षण विनिर्माण क्षेत्र की भावना में और सुधार दर्शाता है। दिसंबर 2009 में किए गए व्यावसायिक पूर्वानुमानकर्ता सर्वेक्षण के अनुसार

2009-10 के लिए समग्र (माध्य) वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत होगी जो कि पिछले सर्वेक्षण में 6.0 प्रतिशत थी।

कारोबार अपेक्षा सर्वेक्षण

VII.2 विभिन्न एजेंसियों द्वारा किए गए अग्रदर्शी सर्वेक्षण सामान्यतः अर्थव्यवस्था के संबंध में आशावादी दृश्य दर्शाते हैं। लगभग सभी सर्वेक्षण मजबूत तिमाही-दर-तिमाही और वर्ष-दर-वर्ष सुधार दर्शाते हैं (सारणी 7.1)।

VII.3 पिछली तिमाही में देखे गए सुधार के अनुक्रम में, अक्टूबर 2009 में जारी एनसीएईआर (राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त आर्थिक अनुसंधान परिषद) के कारोबार विश्वास सूचकांक (बीसीआइ) ने पिछली तिमाही की तुलना में 21.2 प्रतिशत वृद्धि दर्शाई। बीसीआइ के सभी चार घटकों ने सुधार दर्शाया जिसमें 'निवेश वातावरण' ने सर्वाधिक सुधार दर्ज किया जिसके बाद 'फर्मों की वित्तीय स्थिति', 'समग्र आर्थिक स्थिति' और 'क्षमता उपयोग' का स्थान था। बीसीआइ में सुधार की एकरूप पद्धति अर्थव्यवस्था के सभी प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में देखी गई। दिसंबर 2009 में किए गए एनसीएईआर सर्वेक्षण के प्रारंभिक संकेत अक्टूबर 2009 की तुलना में बीसीआइ में निरंतर सुधार दर्शाते हैं।

VII.4 2009-10 की दूसरी तिमाही के लिए एफआईसीसीआइ का कारोबार विश्वास सर्वेक्षण, जो दिसंबर 2009 में जारी किया गया था, के अनुसार 80 प्रतिशत कंपनियों की समग्र आर्थिक स्थिति में पिछले छह महीनों में 'कम से पर्याप्त' सुधार दर्शाया। समग्र कारोबार सूचकांक पिछली तिमाही के स्तर की तुलना में 7.7 बढ़ा क्योंकि सर्वेक्षण के 65 प्रतिशत उत्तरदाताओं को विक्रय की मात्रा में वृद्धि अपेक्षित थी, 40 प्रतिशत को निवेश बढ़ने की और 16 प्रतिशत को अगली दो तिमाहियों में श्रमशक्ति बढ़के की अपेक्षा थी। समग्र आशावाद के बावजूद, 52 प्रतिशत और 62 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने क्रमशः औद्योगिक निविष्टियों और कच्चे माल के बढ़ते मूल्य और दुर्बल बाजार मांग को वह चिंता बताया जो कारोबार निष्पादन पर विपरीत प्रभाव डाल सकती है। फिर भी, यह पिछले वर्ष की तुलना में सुधार था जहां सर्वेक्षण की गई 84 प्रतिशत कंपनियों ने बाजार मांग को मुख्य चिंता बतलाया था। इसके अलावा, 65 प्रतिशत कंपनियां अपनी ऑर्डर बुक स्थिति में अगले छह महीनों में सुधार की अपेक्षा कर रही हैं।

सारणी 7.1 : कारोबार प्रत्याशा सर्वेक्षण

अवधि/सूचकांक	एनसीएईआर अक्टूबर 2009 कारोबार विश्वास सूचकांक	फिक्की ति2: 2009-10 समग्र कारोबार विश्वास सूचकांक	डन एंड ब्रैडस्ट्रीट ति1: 2010 कारोबार आशावाद सूचकांक	सीआइआइ अक्तू.-मार्च 2009- 2010 विश्वास सूचकांक
1	2	3	4	5
सूचकांक का वर्तमान स्तर	143.7	72.4	137.3	66.1
पिछले सर्वेक्षण के अनुसार सूचकांक	118.6	67.2	143.2	58.7
एक वर्ष पूर्व सूचकांक का स्तर	119.9	37.8	95.7	56.3
% परिवर्तन (तिमाही-दर-तिमाही)	21.2	7.7	-4.1	12.6
% परिवर्तन (वर्ष-दर-वर्ष)	19.8	91.5	43.4	17.4

VII.5 2010 की ति1 के दुन एंड ब्रॅडस्ट्रीट बिजनेस ऑप्टिमिज्म इंडेक्स (बीओआइ) ने वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 43.4 प्रतिशत की तेज वृद्धि दर्ज की। इस वृद्धि ने आंशिक रूप से निम्न आधार का प्रभाव दर्शाया, किंतु साथ ही यह कारोबारी आशा में सुधार की संकेतक भी है। 2010 की ति1 के तिमाही-दर-तिमाही आधारित बीओआइ ने 4.1 प्रतिशत की थोड़ी गिरावट दर्ज करने के बावजूद, यह सुधार का उच्च स्तर दर्शाता है जो पिछली तिमाही अर्थात् 2009 की ति4 में देखा गया था (8.4 प्रतिशत से)। जहां 'विक्रय की मात्रा' 'निवल लाभ' और 'नए आदेश' के आशावादी मानदंड बढ़े, वहीं 'कर्मचारी स्तर' के आशावादी मानदंड पिछली तिमाही की तुलना में 2010 की ति1में अपरिवर्तित रहे।

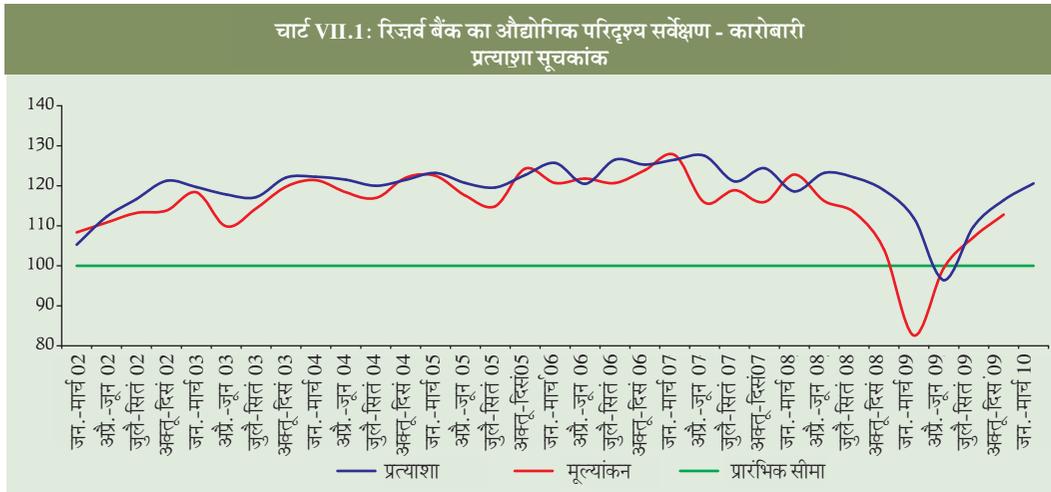
VII.6 अक्टूबर-मार्च 2009-10 का 7.4 अंक बढ़कर 44.1 हो गया सीआइआइ कारोबार विश्वास सूचकांक (सीआइआइ-बीसीआइ) जो 2009-10 की पहली छमाही में 2.4 प्रतिशत ही बढ़ा था। उस अवधि में जब यह सर्वेक्षण किया गया था, अनिश्चित वैश्विक आर्थिक संभावना और कम होती उपभोग मांग विश्वास स्तर को निरंतर प्रभावित कर रही थी। किंतु, बाद में वैश्विक आर्थिक स्थिति और देशी निजी मांग में सुधार आया जिससे कारोबारी और उपभोग विश्वास की वापसी हुई।

VII.7 दिसंबर 2009 का विनिर्माण संबंधी एचएसबीसी मार्किट पर्चेसिंग मॅनेजर्स इंडेक्स (पीएमआइ) मई 2009 से इसके उच्चतम स्तर पर पहुंच गया जो विनिर्माण में मजबूत माह-दर-माह सुधार के संकेत देता है। इससे, पीएमआइ विस्तार दर्शाते हुए लगातार नौ महीने 50 की अपरिवर्तित प्रारंभिक सीमा से ऊपर बना रहा। मजबूत देशी और विदेशी मांग ने हाल के महीनों में ये लाभ

बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके बावजूद, सर्वेक्षण में उल्लेख किया गया है कि अधिकांश विनिर्माता सुधार के टिकाऊपन के संबंध में सावधान हैं और इसलिए नए श्रमिकों को किराए पर लेने के लिए अनिच्छुक हैं। बढ़ती हुई निविष्टि मूल्य मुद्रास्फीति भी चिंता का विषय होने के बावजूद, संतुलन के संबंध में सर्वेक्षण लगातार तेज गति से सुधार होने का अनुमान देता है। सेवा के पीएमआइ ने भी नवंबर और दिसंबर 2009 में काफी विस्तार दर्ज किया जो यह दर्शाता है कि सेवा क्षेत्र भी गति पकड़ रहा है। सर्वेक्षण के परिणाम दर्शाते हैं कि कुल गतिविधियों और नए कारोबारों में वृद्धि पंद्रह महीनों की ऊंचाई पर पहुंच गई।

रिज़र्व बैंक का औद्योगिक संभावना सर्वेक्षण

VII.8 अक्टूबर-दिसंबर 2009 में किए गए रिज़र्व बैंक के औद्योगिक संभावना सर्वेक्षण के 48 वें राउंड ने पिछली तिमाही में देखे गए आशावाद के अनुक्रम में विनिर्माण क्षेत्र की भावनाओं में और सुधार दर्शाया। इस सर्वेक्षण में 'अक्टूबर-दिसंबर 2009 के लिए आकलन' और 'जनवरी-मार्च 2010 के लिए अपेक्षा' किया गया और 2009-10 की ति2 से देखी गई प्रवृत्ति के अनुरूप दोनों सूचकांक वृद्धि क्षेत्र में बने रहे (अर्थात् 100 से ऊपर, जो कि वह प्रारंभिक सीमा है संकुचन को विस्तार से अलग करती है) (चार्ट VII.1)। सर्वेक्षण के उत्तरदाताओं की अपेक्षानुसार औद्योगिक वृद्धि 2009-10 की अंतिम तिमाही में और गति पकड़ेगी जिसे अगस्त-नवंबर 2009 में पहले ही देखी गई आइआइपी वृद्धि में तेज बढ़त के संदर्भ में देखना है।



VII.9 सर्वेक्षण द्वारा प्रकट हुई आदेश पुस्तक, क्षमता उपयोग और उत्पादन संबंधी बेहतर अपेक्षाएं निकट संदर्भ में मांग की स्थिति में सुधार तथा निजी मांग में और सुधार की संकेतक हैं। कार्यशील पूंजी वित्त आवश्यकता 2009-10 की अंतिम तिमाही में और बढ़ने की आशा है जिसके अनुसार निजी क्षेत्र से अल्पावधि निधि की मांग आगामी महीनों में बढ़ सकती है। वित्त की उपलब्धता 2009-10 की अंतिम तिमाही में और बढ़ने की आशा है। मजबूत सुधार के कारण, लाभ मार्जिन पर दबाव आगामी महीनों में कम हो सकता है, किंतु मूल्यन शक्ति की वापसी से स्फीतिकारी दबाव बढ़ सकते हैं। मूल्यन शक्ति की वापसी के क्रमिक चिह्न के रूप में, विक्रय मूल्य लगातार दूसरी तिमाही में बढ़ने की संभावना है, हालांकि पिछली तिमाही की तुलना में इनकी गति कम होगी। सर्वेक्षण के निष्कर्षों के अनुसार, रोजगार की संभावना भी सुधर रही है और फर्मों से अपेक्षित है कि वे मांग में अपेक्षित वृद्धि के आधार पर अपना कार्यबल बढ़ाएं (सारणी 7.2)।

VII.10 कारोबारी अपेक्षाओं में सुधार उद्योगों में व्यापक आधारित है जिसमें परिवहन उपस्कर, रबर और प्लास्टिक उत्पाद, इलेक्ट्रिकल मशीनरी, अन्य मशीनरी और उपकरण, आधारभूत धातुएं और धातु उत्पाद, खाद्य उत्पाद और फार्मास्युटिकल और औषधि के निष्पादन में समग्र सुधार की आशा है। किंतु, सीमेंट, कागज और कागज उत्पाद जैसे उद्योगों और विविधताकृत कंपनियों का निष्पादन दुर्बल रहने की संभावना है। विशेष रूप से सीमेंट उद्योग के मामले में, क्षमता उपयोग कम रहने की संभावना है जो लाभप्रदता को प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर सकता है। कारोबारी संभावना में सुधार कंपनी के आकार पर निर्भर करता है जिसमें बड़ी कंपनियों की संभावना छोटी कंपनियों की तुलना में बेहतर है।

व्यावसायिक पूर्वानुमानकर्ताओं का सर्वेक्षण¹

VII.11 रिजर्व बैंक द्वारा दिसंबर 2009 में किए गए व्यावसायिक पूर्वानुमानकर्ताओं के सर्वेक्षण के दसवें राउंड

¹ रिजर्व बैंक द्वारा सितंबर 2007 से शुरुआत। पूर्वानुमान व्यावसायिक पूर्वानुमानकर्ताओं के होते हैं, रिजर्व बैंक के नहीं।

मौद्रिक नीति वक्तव्य
2009-10

समष्टि आर्थिक और
मौद्रिक गतिविधियां
तीसरी तिमाही की समीक्षा
2009-10

सारणी 7.2: रिज़र्व बैंक का सर्वेक्षण - औद्योगिक निष्पादन के संबंध में 'एक तिमाही आगे' की प्रत्याशाओं पर निवल अनुक्रिया							
मानदंड	अनुक्रिया	अक्टू.-दिसं 2008	जन.-मार्च 2009	अप्रै.-जून 2009	जुला.-सितं. 2009	अक्टू.-दिसं 2009	जन.-मार्च 2010
1	2	3	4	5	6	7	8
1	कारोबार की समग्र स्थिति	33.7 (44.1)	21.1 (43.9)	11.2 (47.6)	24.2 (46.7)	39.8 (45.4)	44.9 (44.2)
2	वित्तीय स्थिति	27.7 (52.5)	16.4 (53.2)	8.4 (52.7)	20.0 (54.4)	33.5 (52.5)	39.3 (50.6)
3	कार्यशील पूँजी वित्त आवश्यकता	33.8 (57.7)	32.9 (57.1)	23.2 (61.0)	26.3 (61.7)	30.4 (61.0)	32.7 (59.2)
4	वित्त की उपलब्धता	23.3 (59.0)	13.7 (56.3)	9.3 (61.7)	16.6 (62.6)	26.1 (62.7)	29.2 (61.8)
5	बाह्य वित्त की लागत	-	-	-	-	-	-18.3 (68.1)
6	उत्पादन	39.8 (42.1)	26.0 (42.3)	9.9 (44.9)	22.4 (45.5)	35.0 (43.0)	40.0 (42.3)
7	आर्डर बुक	35.7 (46.1)	20.6 (46.1)	6.4 (44.4)	16.8 (45.8)	32.3 (45.3)	35.8 (46.1)
8	लंबित आदेश, यदि लागू हो	4.6 (82.0)	11.5 (77.8)	23.2 (59.4)	19.1 (73.4)	11.0 (80.6)	5.7 (81.3)
9	कच्चे माल की लागत	-61.1 (32.3)	-35.7 (39.7)	-16.2 (33.7)	-27.1 (55.5)	-38.4 (51.6)	-44.3 (48.5)
10	कच्चे माल का भंडार	-7.6 (77.6)	-3.3 (81.3)	1.1 (80.2)	-0.5 (82.7)	-1.2 (85.0)	-3.6 (84.7)
11	तैयार वस्तुओं का भंडार	-4.3 (82.6)	-4.4 (80.9)	-4.4 (78.4)	-1.8 (80.6)	-3.7 (85.3)	-1.9 (85.4)
12	क्षमता-उपयोग (मुख्य उत्पाद)	26.4 (56.0)	12.3 (59.1)	-0.7 (55.0)	10.7 (57.5)	22.0 (56.2)	25.4 (56.9)
13	क्षमता-उपयोग का स्तर (पूर्ववर्ती चार तिमाहियों के औसत की तुलना में)	-0.5 (78.7)	-7.4 (73.7)	-20.8 (66.4)	-12.1 (70.8)	-3.8 (76.0)	1.3 (76.1)
14	उत्पादन क्षमता का मूल्यांकन (अगले छह महीनों में अपेक्षित मांग के संदर्भ में)	5.7 (81.7)	11.8 (81.0)	8.9 (70.7)	5.5 (76.9)	6.5 (79.7)	5.0 (81.2)
15	कंपनी में रोजगार	16.6 (70.4)	7.7 (75.7)	-5.1 (74.0)	1.5 (78.6)	8.8 (77.2)	12.1 (75.6)
16	निर्यात, यदि लागू हो	27.3 (54.3)	16.0 (54.8)	-3.8 (57.3)	0.1 (59.0)	12.5 (58.5)	20.2 (57.8)
17	आयात, यदि हो	21.4 (67.9)	9.1 (69.7)	-1.4 (68.8)	4.6 (70.6)	11.5 (68.9)	16.9 (70.1)
18	बिक्री मूल्य संबंधी अनुमान	26.2 (57.6)	4.1 (61.7)	-9.1 (61.9)	0.0 (65.6)	6.0 (67.6)	9.8 (68.4)
19	यदि वृद्धि हो, तो अनुमानित बिक्री मूल्य	0.6 (54.7)	0.9 (54.0)	25.9 (53.5)	-100.0 (0.0)	19.4 (63.2)	16.8 (62.3)
20	लाभ मार्जिन	-3.6 (54.7)	-12.9 (53.3)	-18.6 (50.6)	-13.4 (54.5)	-2.8 (56.8)	1.1 (58.8)

टिप्पणी :

- 'निवल प्रतिसाद' की गणना 'आशावादी' (सकारात्मक) और 'निराशावादी' (नकारात्मक) सूचना देने वाली कंपनियों के बीच होने वाले प्रतिशत अंश अंतर के अनुसार की गयी है; यथापूर्व स्थिति (कोई परिवर्तन नहीं) के रूप में दी गयी सूचना को हिसाब में नहीं लिया गया है। उच्चतर 'निवल प्रतिसाद' विश्वास के उच्चतर स्तर को और इसके विपरीत को दर्शाते हैं।
- कोष्ठकों के आंकड़े अनुक्रियाओं के रूप में 'पूर्ववर्ती तिमाही की तुलना में कोई परिवर्तन नहीं' के साथ अनुक्रियादाताओं के प्रतिशत हैं।
- 'बाह्य वित्त की लागत' इस सर्वेक्षण के दौर से जोड़ा गया नया मानदंड है।

के परिणाम 2009-10 के लिए 6.9 प्रतिशत की समग्र (माध्य) वृद्धि दर दर्शाते हैं जो कि पिछले सर्वेक्षण में 6.0 प्रतिशत थी (सारणी 7.3)। कृषि क्षेत्र के लिए सेक्टरल

वृद्धि दर (-) 1.4 प्रतिशत से ऊर्ध्वमुखी रूप से संशोधित करके (-) 0.9 प्रतिशत की गई; उद्योग के लिए ऊर्ध्वमुखी संशोधन काफी अर्थात् 6.3 प्रतिशत से बढ़ाकर 8.4

सारणी 7.3 : व्यावसायिक पूर्वानुमानकर्ताओं द्वारा चुनिंदा
समष्टिआर्थिक संकेतकों का माध्यिका पूर्वानुमान

1	वास्तविक 2008-09	वार्षिक पूर्वानुमान				तिमाही पूर्वानुमान													
		2009-10				2010-11				2009-10			2010-11						
		ई		एल		ई		एल		ति3		ति4		ति1		ति2		ति3	
		ई	एल	ई	एल	ई	एल	ई	एल	ई	एल	ई	एल	ई	एल	ई	एल	ई	एल
1. कारक लागत पर वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर (प्रतिशतमें)	6.7	6.0	6.9	7.7	7.9	5.7	6.5	6.7	7.5	7.3	7.9	7.6	7.7	-	8.2				
क. कृषि और संबद्ध गतिविधियाँ	1.6	-1.4	-0.9	3.7	3.5	-3.7	-4.0	-1.0	-0.9	2.0	2.0	2.7	3.0	-	4.7				
ख. उद्योग	2.6	6.3	8.4	7.3	8.1	6.9	10.1	6.9	10.0	6.7	9.0	6.7	8.4	-	8.3				
ग. सेवाएँ	9.4	8.1	8.7	9.1	9.0	8.4	8.8	8.6	8.9	8.9	9.3	9.1	9.1	-	9.0				
2. सकल देशी बचत (वर्तमान बाजार मूल्य पर जीडीपी का प्रतिशत)	-	33.6	35.0	36.6	36.4	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-				
3. सकल देशी पूंजी निर्माण (वर्तमान बाजार मूल्य पर जीडीपी का प्रतिशत)	-	37.3	37.7	37.7	39.0	36.5	37.3	36.0	38.1	36.2	37.9	-	39.8	-	39.7				
4. करोत्तर कारपोरेट लाभ (वृद्धि दर प्रतिशत में)*	-	10.0	11.3	14.5	18.0	9.0	21.2	12.0	19.0	15.0	18.5	17.5	18.5	-	22.0				
5. मुद्रास्फीति डब्ल्यूपीआइ	8.4	3.0	4.4	5.8	6.1	4.0	4.5#	6.8	8.2	7.2	7.4	6.5	6.4	-	5.5				
6. विनिमय दर (भा.र./अम.डालर अवधि के अंत में)	51.0	46.0	45.5	44.5	44.3	47.0	46.7#	46.0	45.5	45.9	45.3	45.3	44.9	-	44.7				
7. 91-दिवसीय खजाना बिल प्रतिलाभ (प्रतिशत-अवधि के अंत में)	7.1	4.1	4.0	4.9	5.3	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-				
8. 10-वर्षीय सरकारी प्रतिभूति प्रतिलाभ (प्रतिशत-अवधि के अंत में)	7.6	7.3	7.8	7.5	7.8	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-				
9. निर्यात (वृद्धि दर प्रतिशत में)+	5.4	-5.0	-5.2	14.2	15.2	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-				
10. आयात (वृद्धि दर प्रतिशत में)+	14.3	-15.7	-8.3	12.0	17.4	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-				
11. व्यापार शेष (बिलियन अमरीकी डालर)	-119.4	-	-	-	-	-28.1	-31.0	-22.1	-29.7	-20.7	-28.8	-28.9	-31.9	-	-36.4				

ई : पूर्व का अनुमान। एल : ताजा अनुमान।
- : उपलब्ध नहीं। #: वास्तविक आंकड़े। * : बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियाँ। + : बीओपी आधार पर अमरीकी डॉलर
टिप्पणी : नवीनतम दौर से तात्पर्य दिसंबर 2009 में समाप्त तिमाही के लिए दसवें दौर से है, जबकि पूर्व के दौर से तात्पर्य सितंबर 2009 में समाप्त तिमाही के लिए नौवें दौर से है।
स्रोत : सर्वे ऑफ प्रोफेशनल फोरकास्टर्स, तीसरी तिमाही 2009-10

प्रतिशत किया गया। सेवाओं के लिए, पूर्वानुमान कम ऊर्ध्वमुखी संशोधन अर्थात् पहले के सर्वेक्षण के 8.1 प्रतिशत से चालू सर्वेक्षण में 8.7 प्रतिशत दर्शाता है।

चालू वृद्धि और मुद्रास्फीति को प्रभावित करने वाले कारक

VII.12 2009-10 की दूसरी तिमाही के लिए जारी जीडीपी के आंकड़े और नवंबर 2009 तक हाल के महीनों के मजबूत

औद्योगिक सुधार के बाद से जहां वृद्धि संभावना में काफी सुधार हुआ है, वहीं स्फीतिकारी दबाव भी बढ़ गए जो खाद्य मूल्यों में काफी वृद्धि से प्रेरित थे। स्फीतिकारी प्रक्रिया खाद्य मदों में संकेंद्रित बनी रहने के बावजूद, यह दबाव क्रमिक रूप से डब्ल्यूपीआइ समूह के अन्य घटकों में फैलने की संभावना है जिसके प्रारंभिक चिह्न दिसंबर 2009 में देखे गए थे। इस प्रकार, वृद्धि संभावना ऊर्ध्वमुखी रहने की संभावना है और मुद्रास्फीति की संभावना में ऊर्ध्वमुखी जोखिम है।

VII.13 वृद्धि संभावना संबंधी चालू आशावाद निम्न बातों से प्रेरित है: (क) 2009-10 की ति2 में जीडीपी वृद्धि बढ़कर 7.9 प्रतिशत हो जाना; (ख) लगातार 13 महीनों की गिरावट के बाद नवंबर 2009 में निर्यात में सुधार; (ग) आगामी महीनों में आइआइपी वृद्धि में मजबूत सुधार; (घ) कंपनी निष्पादन से प्रारंभिक संकेत जो गिरावट के दौर के बाद 2009-10 की ति3 में काफी सकारात्मक वृद्धि दर्शाते हैं; (ङ) कंपनी क्षेत्र की लाभप्रदता में निरंतर सुधार की प्रवृत्ति; (च) कोर बुनियादी ढांचा क्षेत्र में पिछले वर्ष के समकाल की तुलना में उच्च वृद्धि; (छ) 2009-10 की ति2 में निजी अंतिम उपभोग मांग में पुनरुज्जीवन और 'सकल निर्धारित पूंजी निर्माण' में सुधार (ज) भारिबैं के औद्योगिक संभावना सर्वेक्षण और भारत के लिए अन्य एजेंसियों के ऐसे ही अन्य सर्वेक्षणों में प्रदर्शित आशावादी कारोबारी अपेक्षाएं; (झ) शेयर मूल्यों और आइपीओ तथा निजी स्थानन के माध्यम से अतिरिक्त संसाधन जुटाने के संदर्भ में शेयर बाजार गतिविधियों में पुनरुज्जीवन; (ञ) पूंजी अंतर्वाहों में पुनरुज्जीवन; (ट) वैश्विक वृद्धि और व्यापार में सुधार के चिह्न; (ठ) गैर-बैंकिंग वित्तीय क्षेत्र से संसाधनों का उच्च प्रवाह; (ड) नवंबर 2009 से ऋण वृद्धि में सुधार; और (ढ) निवल प्रत्यक्ष करों को उच्च वसूली जिसमें दिसंबर 2009 में कंपनी कर वसूली में 44 प्रतिशत वृद्धि हुई थी।

VII.14 वृद्धि संभावना के प्रति अधोमुखी जोखिम में निम्न बातें शामिल हैं: (क) वैश्विक सुधारअपेक्षानुसार नहीं है; (ख) तेल मूल्य आघात की संभावना है; (ग) कृषि उत्पादन पर दक्षिण-पश्चिम मानसून में कमी का प्रभाव जिसका बड़ा भाग जीडीपी आंकड़ों में अब तक नहीं

दीखा है; (घ) ऋण-मांग में निजी क्षेत्र से मांग में पुनरुज्जीवन होने से ब्याज दरों पर दबाव की संभावना; (ङ) कंपनी निष्पादन पर आंकड़ों के अनुसार, 2009-10 की ति2 से इवेंटरी चक्र में सुधार के कारण इवेंटरी निर्माण चक्रीय शीर्ष पर पहुंच जाना; और (च) बाह्य मांग पर निर्भर सेवाओं में हाल के महीनों में सुधार के बावजूद उनका कमजोर निष्पादन।

VII.15 पहले से ही बढ़ रहे मुद्रास्फीति पथ के प्रति ऊर्ध्वमुखी जोखिम निम्न हैं: (क) सामान्य फसल चक्र के चलते खाद्य मदों के मामले में आपूर्ति बाधाएं समय अंतराल पर बदल रही हैं; (ख) अंतरराष्ट्रीय खाद्य मूल्यों में वृद्धि के संकेत जो देशी आपूर्ति स्थिति सुधारने के लिए आयातों का सहारा लेने का सीमित विकल्प दर्शाते हैं; (ग) मजबूत सुधार और उच्च सीपीआइ मुद्रास्फीति से संबद्ध मजदूरी-मूल्य में संशोधन की गुंजाइश के साथ मूल्यन शक्ति की वापसी; (घ) अनिश्चितता कम होने और विश्वास बढ़ने के साथ निजी मांग में वृद्धि; (ङ) ईएमई और उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में मजबूत सुधार के साथ वैश्विक पण्य मूल्यों. विशेष रूप से तेल और धातुओं में वृद्धि; (च) उच्च पूंजी अंतर्वाहों के साथ आस्ति मूल्यों में वृद्धि; और (छ) सामान्यिकृत मुद्रास्फीति के प्रारंभिक संकेत जो स्फोटिकारी अपेक्षाएं बढ़ा सकते हैं। मौद्रिक नीति के दृष्टिकोण से, अपेक्षाओं से प्रेरित मूल्य संशोधन के माध्यम से खाद्य मूल्य मुद्रास्फीति डब्ल्यूपीआइ के अन्य समूहों तक फैलने की संभावना से सामान्यिकृत मुद्रास्फीति होने की संभावना एक बड़ी चिंता बनी हुई है।

VII.16 मूल्य दबाव को कम कर सकने वाले कुछ कारक निम्नवत हैं: (क) 2009-10 की अंतिम तिमाही में कटाई

के बाद की फसलें, विशेष रूप से कुछ सब्जियां; (ख) बफर स्टॉक से चावल और गेहूं का अतिरिक्त निर्गम और बेहतर वितरण; (ग) न्यूनतम समर्थक मूल्य में और वृद्धि नहीं; और (घ) उच्च रबी उत्पादन जो कमजोर खरीफ के प्रभाव को आंशिक रूप से समायोजित करेगा।

VII.17 वृद्धि की संभावना में ऊर्ध्वमुखी अपेक्षा है जिसमें अनेक सहायक कार्य हो रहे हैं। मुद्रास्फीति की संभावना

की विशेषता विकास है जिसमें ऊर्ध्वमुखी जोखिम है। इस प्रकार, उभरती वृद्धि और मुद्रास्फीति का मिश्रण दर्शाता है कि मजबूत सुधार से मुद्रास्फीति को एक अधिक सामान्यकृत प्रक्रिया बना सकती है। वृद्धि के संवेगों का सावधानीपूर्वक पोषण करते हुए मुद्रास्फीति और स्फीतिकारी आशंकाओं को नियंत्रित करना वर्ष की शेष अवधि में नीति के संचालन की मुख्य चुनौती होगी।